RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : मंगलवार 23 अगस्त 2022 | वर्ष 04 | अंक 111 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई में गणेश मंडलों के लिए बीएमसी ने जारी की गाइडलाइन...!

इन नियमों का पालन करना अनिवार्य...

मुंबई : कोरोना प्रतिबंधो की वजह से दो साल बाद मुंबई में गणेश चतुर्थी पूरे जोरो-शोरों के साथ मनाई जाएगी. गणेश चतुर्थी के त्योहार की तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं. इन सबके बीच बीएमसी ने कई गाइडलाइन भी जारी की है. दरअसल बीएमसी ने सभी गणेश मंडलों के लिए नियमों की घोषणा कर दी है. जिनका पालन करना अनिवार्य है.

मंडपों की ऊंचाई 30 फीट से नहीं होनी चाहिए ज्यादा

इस वर्ष गणेशोत्सव के दौरान मूर्तियों की ऊंचाई पर कोई प्रतिबंध नहीं है, लेकिन मंडपों की ऊंचाई सीमित की गई है. इसके तहत मंडप 30 फीट से ज्यादा ऊंचा नहीं बनाया जा सकता है. यदि 25 फीट से अधिक ऊंचा मण्डप है तो मण्डप की गारंटी मण्डप द्वारा दी जायेगी तथा मण्डप को उसके लिये उत्तरदायी ठहराया जायेगा. अगर नए मंडप या 2019 से पहले के मंडप की माप में कोई बदलाव होता है, तो पुलिस को प्रमाण पत्र के लिए अनुवर्ती कार्रवाई करनी होगी.

नगर पालिका के निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य

गौरतलब है कि मुंबई में कोरोना वायरस के नियंत्रण में होने के कारण इस साल गणेशोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाने वाला है. अगले दस दिनों में बप्पा पहुंचेंगे और बप्पा के स्वागत के लिए गणेश भक्तों का उत्साह चरम पर पहुंच गया है. मार्च 2020 में कोरोना की वजह से त्योहार को नियमों के दायरे में मनाया जाना था. लेकिन इस साल जैसे-जैसे कोरोन का खतरा कम हुआ है, मुंबई में भी उत्सव का माहौल जोर पकड़ रहा है. लेकिन इसके लिए नगर पालिका द्वारा निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा.

डेंगू-स्वाइन फ्लू के खतरे के चलते मंडप में साफ-सफाई अनिवार्य

दरअसल नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि नगर पालिका के लाइसेंस विभाग के माध्यम से सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल में निषिद्ध विज्ञापन लगाने वाले बोर्डों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

शिवसेना नेता संजय राउत की न्यायिक हिरासत बढ़ी

5 सितंबर तक जेल में रहना होगा

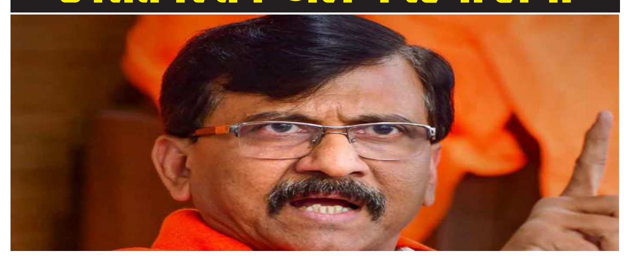

मुंबई: पात्रा चॉल भूमि घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय) की कार्रवाई के बाद सांसद संजय न्यायिक हिरासत में हैं। अब संजय राउत की न्यायिक हिरासत 5 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। इसलिए, संजय राउत को अब 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। संजय राउत इस समय मुंबई की आर्थर रोड जेल में हैं। अन्य कैदियों की तरह राउत को भी एक कैदी नंबर सौंपा गया है। शिवसेना नेता संजय राउत के बंदी संख्या 8959 है। उन्हें 31 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उन्हें 8 दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया था। इसके बाद उन्हें 22 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आज एक बार फिर उन्हें ईडी ने कोर्ट में पेश किया, उन्हें 5 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कोरोना महामारी में माता-पिता खो चुके कॉलेज छात्रों के पढ़ाई का खर्च उठाएगी शिंदे सरकार...

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल का एलान !

मुंबई : कोरोना महामारी में अपने माता-पिता को खोने वाले कॉलेज छात्रों के लिए एकनाथ शिंदे की सरकार ने बड़ी घोषणा की है. महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार उन कॉलेज छात्रों की शिक्षा का खर्च वहन करेगी, जिन्होंने अपने माता-पिता दोनों को कोविड -19 महामारी में खो दिया है. राज्य के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री पाटिल ने कांग्रेस विधायक शिरीष चौधरी के एक सवाल का जवाब देते हुए विधानसभा में यह घोषणा की.

राज्य में ऐसे लगभग 1200 छात्र

पाटिल ने कहा कि राज्य के विभिन्न सरकारी कॉलेजों में 931 ग्रेजुएट और 228 पोस्टग्रेजुट छात्र ऐसे हैं जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है. उन्होंने कहा कि सरकार उनके पूरे कोर्स की फीस का भुगतान करेगी. राज्य मंत्री ने कहा कि इस फैसले से राज्य सरकार के खजाने पर सालाना 2 करोड़ रुपए से अधिक का बोझ पड़ेगा, उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकार को हर साल इस तरह का निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होगी.

जनहित में रफ्तार से फैसले ले रही महाराष्ट्र की नई सरकार

बता दें कि जब से महाराष्ट्र में नई सरकार आई है उसने जनहित में एक के बाद एक कई फैसले लिये हैं. युवाओं और छात्रों के हित में हाल फिलहाल में यह दूसरी बड़ी घोषणा है, इससे पहले शिंदे सरकार ने दही हांडी उत्सव के प्रतिभागियों को सरकारी नौकरी में आरक्षण देने का ऐलान किया था, हालांकि सरकार के इस फैसले का कई विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध किया है. वहीं, अगर महाराष्ट्र में कोरोना केसों की बात करें तो राज्य में पिछले दो दिनों में कोरोना के केसों में गिरावट दर्ज हुई है.

ओबीसी आरक्षण की सुनवाई 5 हफ्ते के लिए टली...

मुंबई : सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में ओबीसी के लिए राजनीतिक आरक्षण के संबंध में सुनवाई 5 सप्ताह के लिए स्थगित कर दी है। साथ ही, इस संबंध में अब एक विशेष पीठ का गठन किया जाएगा, इस कारण 92 नगर परिषदों के लिए ओबीसी आरक्षण लागू किया जाएगा या नही यह सवाल अनुत्तरित है। महाराष्ट्र में ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज 22 अगस्त को अहम सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की गई है। सरकार ने मांग की है कि 92 नगर परिषदों में आरक्षण लागू किया जाए। इसलिए आज की सुनवाई पर सबका ध्यान था। हालांकि आज की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि विशेष पीठ का गठन कर सुनवाई को पांच सप्ताह के लिए स्थगित करने का निर्देश दिया गया है।

दरअसल जब सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी को राजनीतिक आरक्षण दिया, तब इन 367 स्थानीय निकायों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने इन चुनावों में ओबीसी आरक्षण को निलंबित करने का आदेश दिया। राज्य सरकार ने फिर से पुनर्विचार याचिका दायर कर इन 367 स्थानीय निकायों के चुनाव में ओबीसी आरक्षण लागू करने की मांग की है। इस पर आज सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करने वाला था।

हालांकि आज जैसे ही यह मामला सुप्रीम कोर्ट में आया, कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच गठित करने का फैसला किया और सुनवाई को 5 हफ्ते के लिए टाल दिया. तब तक प्रदेश में 367 स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव एवं उनके आरक्षण को लेकर यथास्थिति बनाये रखने के आदेश दिये गये हैं।

संपादकीय, लेख...!

चुनौतियों से पार पाने से जिंदगी सार्थक बनेगी

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इंटेलिजेंस ऑफिसर सुखसागर रावत (39) मुंबई के पास भिवंडी में पोस्टेड हैं और बाकी अधिकारियों के साथ आवासीय दफ्तर से काम कर रहे थे। अचानक पांच लोग आए और गणेशोत्सव के लिए 501 रु. का चंदा मांगा, रावत ने यह कहकर पैसे देने से इंकार कर दिया कि ये एक ऑफिस है और वह आईबी अधिकारी हैं। पर वो लोग भड़क गए और उनके साथ झूमाझटकी की।रावत बेहोश हो गए और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। किसी भी मुंबईकर को ये घटनाक्रम बताएंगे तो वे कहेंगे कि भिवंडी के लिए रोज की बात है। इसकी छवि ऐसी है कि चरमराती इमारतें, हर कोई अपने घरों को गोदाम बनाए है, निराशा, बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा की कमी, असंगठित कपड़े बनाने का कामकाज और परिवहन का सिस्टम भी बेतरतीब है। कुल-मिलाकर ज्यादातर कर्मी ये जगह छोड़ना चाहते हैं क्योंकि बैंक भी आसानी से क्रेडिट सुविधा नहीं देता। इस परिदृश्य के बीच कपड़ा उद्योग के लिए प्रसिद्ध इस कस्बे की एक नई छवि उभर रही है, वो भी यहां की एक युवती के जरिए। सोमैया अंसारी ने उर्दू माध्यम से पढ़ाई की और 2008 में एसएससी में टॉप किया, 2011 में नीट पास की और सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस सीट पक्की की। अंसारी शिफा शमीम और मोमिन असीरा अख्तर ने भी यही रास्ता अपनाया। इन तीनों ने कई और युवाओं को प्रेरित किया।

किसी भी मुंबईकर को ये घटनाक्रम बताएंगे तो वे कहेंगे कि भिवंडी के लिए रोज की बात है। इसकी छवि ऐसी है कि चरमराती इमारतें, हर कोई अपने घरों को गोदाम बनाए है, निराशा, बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा की कमी, असंगठित कपड़े बनाने का कामकाज और परिवहन का सिस्टम भी बेतरतीब है।

इन लड़कियों ने मुलुंड उपनगर में कोचिंग जाना शुरू किया और शेख परवेज नाम का ड्राइवर ही उन्हें ले जाता था। उन लड़कियों की बातचीत सुनकर परवेज की भी रुचि जागी, अपनी बच्ची को वही कोर्स कराने के लिए उनसे मदद मांगी, आज उसकी बेटी भी एमबीबीएस है। फीस की व्यवस्था सहित मेडिकल प्रवेश परीक्षा देने वालों की मदद के लिए 2018 में भिवंडी मेडिकल एसोसिएशन बना। आज वहां कई दर्जन से ज्यादा यंग डॉक्टर्स हैं। ये असल में एक खामोश क्रांति है। एक और उदाहरण लें। देश में आप किसी से भी पूछें कि मानव तस्करी में कौन-सा राज्य अव्वल है, तो जवाब मिलेगा पश्चिम बंगाल। एनसीआरबी का डाटा भी कहता है कि यह 44% है। खाने व संसाधनों की कमी और रोजगार के कम अवसर के कारण यहां यंग लड़कियां तस्करों के लिए आसान लक्ष्य हैं, जिनको नौकरी-शादी का झांसा देकर फंसाया जाता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

ठाणे जिले में स्वाइन फ्लू से अब तक 15 मौतें

ठाणे : ठाणे क्षेत्र में इस साल स्वाइन फ्लू से अब तक कुल 15 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। ठाणे क्षेत्र में रायगढ़ के ठाणे, पालघर और पनवेल नगर निगम शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस साल एक जनवरी से 19 अगस्त तक 2,07,742 लोगों की एच1एन1 इंफ्लुएंजा वायरस के संक्रमण को लेकर जांच की गई, जिसमें 462 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, संक्रमित मरीजों में से अब तक 15 मरीजों की मौत हो चुकी है।

ऑनलाइन फ्रॉड को लेकर डिप्टी सीएम फडणवीस का एलान!

साइबर खुफिया यूनिट की होगी स्थापना...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में हो रही ऑनलाइन धोखाधड़ी के चलते उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को साइबर खुफिया इकाई की स्थापना करने की घोषणा की है. उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि प्रदेश में साइबर अपराध बढ़ गए हैं. डिप्टी सीएम फडणवीस ने महाराष्ट्र विधान परिषद में एक सवाल के जवाब में कहा कि खासकर कोरोना महामारी के बाद साइबर अपराध बढ़ गये हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन माध्यम से वित्तीय लेनदेन करने को प्राथमिकता देते हैं.

डिप्टी सीएम कहा, ''हम वेबसाइट और सोशल मीडिया को ट्रैक करते हैं, लेकिन साइबर खुफिया इकाई महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऑनलाइन धोखाधड़ी बढ़ रही है. मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि (राज्य) सरकार एक साइबर खुफिया इकाई स्थापित करेगी.'' फडणवीस गृह विभाग भी संभालते हैं. उन्होंने कहा कि कई बार साइबर धोखेबाज अलग-अलग राज्यों और देशों से धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देते हैं. उपमुख्यमंत्री ने चीनी ऋण ऐप का उदाहरण दिया, जिनमें से कुछ नेपाल से संचालित होते हैं. उन्होंने कहा, ''इन चीनी ऋण ऐप के कई कॉल सेंटर नेपाल से संचालित होते हैं. राज्य पुलिस ने नेपाली अधिकारियों से संपर्क किया है.'' फडणवीस ने कहा कि राज्य की साइबर इकाई ने एक ह्यसाइबर वॉचह्व मॉड्यूल तैयार किया है, जिसने ऐसे ऋण आवेदनों को ट्रैक किया है और कार्रवाई की गई है. उन्होंने कहा, ''हम साइबर इकाई को मजबूत करने के प्रयास करेंगे. '' उन्होंने आगे कहा कि कार्मिकों का प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी की आउटसोर्सिंग की जाएगी.

कर्मचारियों ने कंपनी से लाखों का माल किया साफ

भिवंडी : भिवंडी के गोदामों में काम करने वाले कर्मचारियों ने कंपनी की आंखों में धूल झोंककर कई बार चोरी करने की घटना को अंजाम दिया है। इसी क्रम में एक नामचीन कंपनी के गोदाम में काम करने वाले चार कर्मचारियों ने मिलकर 86 लाख 73 हजार 736 रुपए के सौंदर्य प्रसाधन चुरा लेने का मामला प्रकाश में आया है। जिसकी शिकायत कंपनी के निर्देशक ने नारपोली पुलिस थाना में दर्ज करवाई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिवे - अंजुर गांव स्थित लाइट स्टाइल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के बी -7, इंडियन लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन वेयरहाउस कॉम्प्लेक्स में सौंदर्य कॉस्मेटिक्स सामग्री की गुणवत्ता और रीपैकिंग की जाँच के लिए कर्मचारी रितेश विलास शिंदे, वैभव संजय म्हस्के और रोजन शेख को नियुक्त किया गया था लेकिन काम के दरमियान चारों ने मिलकर कंपनी के खिलाफ साजिश रचते हुए शुगर कॉस्मेटिक्स ब्रांड के कुल 86,73,736 रुपए का माल चोरी कर लिया। कंपनी के निदेशक तेजस चंद्रकांत लटके ने इन चारों के खिलाफ नारपोली थाने में शिकायत दर्ज करायी है.पुलिस ने फरार आरोपित की तलाश कर मामले की जांच कर रही है।

प्रतिबंधित गुटखा सहित 45 लाख का सामान जब्त!

कल्याण : खड़कपाड़ा पुलिस और पुलिस उपायुक्त की एक विशेष टीम ने रविवार को तड़के तीन बजे कल्याण पश्चिम में गांधारी ब्रिज के पास एक कंटेनर से प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया. इस गुटखा की बाजार कीमत 25 लाख रुपये है। पुलिस की गिरफ्त में 20 लाख रुपये का एक कंटेनर व गुटखा सहित कुल 45 लाख रुपये का है. जब्त कंटेनर कर्नाटक आरटीओ में पंजीकृत है। कंटेनर में गुटखा की कुल 135 बोरी थी। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों कि गिरफ्तार किया है साथ ही एक आरोपी फरार बताए जा रहे हैं. गिरफ्तार आरोपियों के नाम मशक महबूबसाब इनामदार (35), लव शमसुंदर साहनी (27) प्रेमानंद दिनेश कोठारे (28) है जबकि फरार

आरोपियों के नाम रजनीकांत मोहन गायकवाड (28) है. कांस्टेबल नवनाथ रामचंद्र डोंगरे की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है. तीन आरोपी उल्हासनगर के हैं. पुलिस ने बताया, रविवार रात दो बजे के बीच गुप्त सूचना मिली कि महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटका से लदा एक कंटेनर थोक बिक्री के लिए ले जाया जा रहा है. जिसके बाद जाल बिछा कर गांधारी पुल के पास भंडारी चौक पर संदिग्ध कंटेनर को रोकने का आदेश दिया.

कोर्ट में जो होगा वो होगा, मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है, देशद्रोहियों को सबक सिखाएंगी जनता: ठाकरे

मुंबई : शिवसेना अलग हो गई और महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पैदा हो गया। सत्ता की यह दुविधा सीधे सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई है. महाराष्ट्र में सत्ता संघर्ष का मामला इस समय सुप्रीम कोर्ट में है। मामले को पांच या अधिक न्यायाधीशों की पीठ के पास भेजा जाएगा, जो असली शिवसेना है, साथ ही बागी विधायकों की अयोग्यता भी। इस संबंध में बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, ह्यअदालत में जो कुछ भी होगा, मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है, जनता देशद्रोहियों को सबक सिखाएगी. इसलिए अब महाराष्ट्र समेत पूरे देश का ध्यान इस ओर है कि सुनवाई के दौरान कौन फैसला सुनाएगा। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसी पृष्ठभूमि में उद्धव ठाकरे ने शिवसेना कार्यकताओं से बातचीत की। उस समय ''जनता की भावना हमारे साथ है। देशद्रोहियों को जनता सबक सिखाएगी। वह सारा काम पैसे से करता था। मेरे पास मेरे मांस और रक्त, आत्मा देने वाले पुरुष हैं। मुझे लगता है कि आप सदस्यता कार्ड के साथ पहले कदम के रूप में आए हैं। कोर्ट में जो होगा वो होगा, मुझे न्याय पर विश्वास है। जनता की भावनाएं हमारे साथ हैं। जनता चुनाव का इंतजार कर रही है। कभी-कभी चुनाव आते हैं और हम इन देशद्रोहियों को सबक सिखाते हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि उनमें जल्दी चुनाव कराने की हिम्मत हैह्व, उद्धव ठाकरे ने कहा। कल की सुनवाई में उद्धव ठाकरे या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का फैसला लिया जाएगा। इस मामले में 8 अगस्त को सुनवाई होनी थी। हालांकि, इस तारीख को बदलकर 12 अगस्त कर दिया गया था।

कोचिंग क्लास के लिए घर से निकला था 20 साल का छात्र...!

इमारत की सातवीं मंजिल पर पहुंचकर लगा दी छलांग, मौके पर ही हुई मौत

मुंबई : मुंबई से दर्दनाक खबर आ रही है. दरअसल यहां के वसई में सोमवार सुबह एक सात मंजिला इमारत की छत से कथित तौर पर एक 20 साल का छात्र कूद गया. गंभीर रूप से घायल हुए छात्र की मौत घटनास्थल पर ही हो गई है. वहीं मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौक पर पुहंच गई है. पुलिस ने छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

मृतक छात्र कोचिंग क्लास में जाने के लिए घर से निकला था

पुलिस ने बताया कि मृतक आईटी छात्र था और अपनी कोचिंग कक्षाओं में जाने के लिए लगभग 7.30 बजे वसंत नगरी, वसई (पूर्व) में सूरज मुखी भवन में अपने ग्राउंड फ्लोर स्थिर घर से निकला था. लेकिन कोचिंग क्लास में जाने की बजाय वह अपनी इमारत की छत पर चला गया और उसने वहां से छलांग लगा दी. छात्र की मौके पर ही मौत हो गई.

टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ गिरने की तेज आवाज सुनकर छात्र के माता-पिता और अन्य लोग अपने घरों से बाहर निकले. लेकिन बाहार का नजारा देखकर सभी सन्न रह गए. वहीं बेटे की मौत से गमगीन माता-पिता ने रोते-बिलखते पुलिस को बताया कि उनके बेटे ने नाश्ता किया, अपना बैग लिया और अपनी कोचिंग क्लास के लिए निकल गया था. वहीं पुलिस ने मृतक छात्र के बैग की भी जांच की और सुराग के लिए उसके सेलफोन की जांच भी की जा रही है.

हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि उसने अपने पीछे सुसाइड नोट छोड़ा है या नहीं. पुलिस ने कहा कि वे उसके दोस्तों से उसकी कोचिंग क्लास और कॉलेज में पूछताछ करेंगे.

चोर निकला दोस्त, मुंबई पुलिस ने किया पर्दाफाश

7 तोला सोना ऐसे पकड़ा गया

नागपुर : नागपुर में चोरी का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। महदीबाग कॉलोनी के अंबेडकर उद्यान के पास रहने वाले निवासी गणेश पौणिकर के घर उस वक्त चोरी हुई जब वह शुक्रवार को अपने दोस्त के घर जन्माष्टमी पूजा में शामिल होने के लिए गए थे। जिसके बाद पता चला कि, चोरी पौणिकर के उसी दोस्त ने की थी, जिसने पूजा का आयोजन रखा था। इस बात का खुलासा पचपौली पुलिस ने किया है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित पौणिकर का 39 वर्षीय दोस्त कैलाश निमजे ने उसके घर से सात तोला सोना चुराया और उसे पास एक मैदान में दफना दिया था, जिसको पचपौली पुलिस ने बरामद कर लिया है। निमजे एक सिविल ठेकेदार हैं जबकि पौणीकर एक कंपनी में एकाउंटेंट हैं।

इस तरह दिया चोरी को अंजाम

पुलिस ने बताया कि, नया घर खरीदने के बाद निमजे पर भारी कर्ज था। जिसके चलते उसने चोरी को अंजाम दिया। हैरान कर देने वाली बात यह है कि चोरी को अंजाम देने के बाद निमजे दोस्त पौणिकर के साथ पचपौली पुलिस थाने शिकायत तक दर्ज कराने गया था। इतना ही नहीं निमजे ने पौणिकर के घर के पंचनामे पर एक पंच (गवाह) के रूप में खुद को एक विश्वसनीय दोस्त के रूप में पहचानते हुए हस्ताक्षर किए थे। पचपौली पुलिस शुरू में मामला दर्ज करने से हिचक रही थी क्योंकि चोरी के दौरान ताला और कुंडी नहीं तोड़ी गई थी। पुलिस को किसी घुसपैठ के बारे में सुराग नहीं मिला न ही तलाशी लेने के भी कोई निशान मिले थे। पचपौली थाने के उपनिरीक्षक अविनाश जयभाय ने बताया कि, पौणिकर और उनका परिवार रात 8:15 बजे निमजे के घर से निकला था जो मुश्किल से पांच किलोमीटर दूर है। दोनों परिवार पहले पड़ोसी थे और पौणिकर की पत्नी सरिता पिछले कई सालों से निमजे को राखी बांध रही हैं। पौणिकर अपनी पत्नी के साथ निमजे के घर खाना खा रहा था, तभी निमजे ने चाबियां उठाईं और 10 मिनट के भीतर उसे घर पहुंच गया। उसने लॉकर की चाबियां गोल्ड की जो चीज हाथ लगी सब रख ली। वहीं घर लौटने के बाद, पौणिकर की पत्न ी सरिता ने अपने पहने हुए गहनों को उतारकर अलमारी में रखने गई तो देखा वहां अन्य गहने गायब थे। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान अंबेडकर उद्यान और महदीबाग के पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज में एक सफेद स्कूटी पर एक व्यक्ति को देखा। पुलिस ने महसूस किया कि उस व्यक्ति का शरीर निमजे जैसा है जो कुछ घंटे पहले थाने में था। पौणिकर ने भी उस व्यक्ति की पहचान अपने दोस्त निमजे के रूप में की। पुलिस ने निमजे को घेर लिया। पुलिस ने कहा कि वह टूट गया और चोरी को स्वीकार कर लिया।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस केतकी चितले पर दर्ज सभी एफआईआर को एक साथ जोड़ने का दिया आदेश

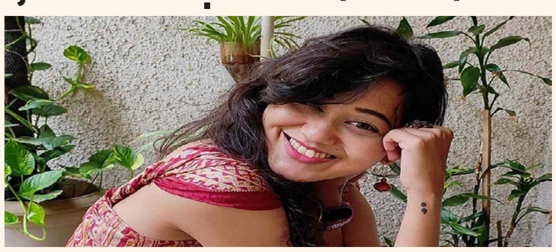

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट करने के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मराठी एक्ट्रेस केतकी चितले और छात्र निखिल भमरे के खिलाफ दर्ज किए गए सभी एफआईआर को एक साथ जोड़ने के निर्देश दिए हैं।

उच्च न्यायालय के इस निर्देश के बाद अब सभी एफआईआर को सबसे पहले दर्ज किए गए केस से जोड़ा जाएगा। बता दें कि केतकी के खिलाफ 22 और भामरे के खिलाफ अब तक 6 प्राथिमिकी दर्ज हैं। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद चितले के खिलाफ सभी प्राथमिकी अब ठाणे जिले के कलवा पुलिस थाने में दर्ज पहली प्राथमिकी के साथ अटैच कर दी गई हैं। वहीं, भामरे के खिलाफ सभी प्राथमिकी को ठाणे के नौपाड़ा में दर्ज केस के साथ जोड़ दिया गया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस एन एम जामदार और जस्टिस एन आर बोरकर ने सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट का हवाला देते हुए यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के अनुसार जब एक मामले में कई एफआईआर दर्ज हो तो पहले को मुख्य माना जा सकता है। साथ ही बाकी को संबंधित मामले में गवाह माना जा सकता है। बता दें कि चितले और भामरे को इस साल मई में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि जून में उन्हें जमानत मिल गई थी।चितले को फेसबुक पर एक मराठी कविता साझा करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसमें कथित तौर पर राकांपा प्रमुख शरद पवार को अपमानजनक तरीके से संदर्भित किया गया था। वहीं, भामरे को पवार के खिलाफ एक कथित आपत्तिजनक ट्वीट के लिए गिरफ्तार किया गया था।

सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था बड़े बदलाव की ओर, अब तेल ही नहीं यहां से भी होगी धुआंधार कमाई

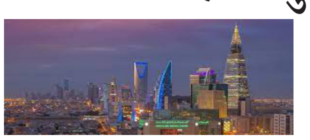

सऊदी अरब अपने तेल भंडार की वजह से पहले से ही अमीर देश है। अब उसे आय का एक और बड़ा स्त्रोत हासिल हो गया है। जानकारों का कहना है कि भविष्य में सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव हो सकता है। दरअसल राजधानी रियाद में नए अब्दुलसलाम अलमाजेद 300 अपार्टमेंट जिस तेजी से बिके हैं, उससे संकेत मिल रहा है कि तेल का बड़ा उत्पादक देश प्रॉपर्टी के मामले में भी पीछे नहीं रहेगा। एक महीने के अंदर ही 300 अपार्टमेंट कैश पेमेंट पर बिक गए। कंपनी ने इन अपार्टमेंट के लिए कोई विज्ञापन भी नहीं किया था। बताया जा रहा है कि एक अपार्टमेंट की कीमत 2 करोड़ रुपये है। अलमाजेद के सीईओ अब्दुलसलाम अलमाजेद ने कहा कि यह प्रोग्राम क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने शुरू किया है जिसका उद्देश्य देश को नया रूप देना है। अलमाजेद ने कहा, अब लोगों की सोच बदल रही है।

पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लगाया जाएगा 'आईटीएमएस' सिस्टम

विधानसभा में मुख्यमंत्री की जानकारी

मुंबई : शिवसंग्राम संगठन के संस्थापक विनायक मेटे की 14 अगस्त को पुणे-मुंबई एक्सप्रेस में दुर्घटनावश मौत हो गई थी। उनकी पत्नी और रिश्तेदारों को मौत का संदेह था। कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने आज विधानसभा के मानसून सत्र में इस संदर्भ में यह मुद्दा उठाया। गायकवाड़ ने लक्षवेधि के माध्यम से विनायक मेटे के हादसे का मुद्दा उठाया। इस पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जानकारी दी है कि 'भविष्य में किसी भी दुर्घटना की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए सटीक स्थान प्राप्त करने के लिए पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम सिस्टम स्थापित किया जाएगा।' विनायक मेटे के हादसे के बाद पुणे-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बढ़ते हादसों ने ध्यान खींचा है। इस पर कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने सवाल उठाया। साथ ही इसका जवाब उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिया। साथ ही उसके बाद विपक्ष के नेता अजित पवार ने भी कदम उठाने की मांग की है। विनायक मेटे की दुर्घटना के समय हाईवे की आखिरी लेन में ट्रॉलर चलना चाहिए था वह बीच की लेन में चल रहा था। ऐसे में उनके चालक के पास ओवरटेक करने के लिए जगह नहीं बची। इसलिए कुछ देर तक चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया और तीसरी लेन में चला गया। उसी समय उनके सामने एक गाडी थी। इन दोनों गाडीयों के बीच मेटे के चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया। यह गलत ओव्हरटेक था और कुछ ही देर बाद कार में जिस तरफ विनायक मेटे बैठे थे उस बाजूसे कार की टक्कर हुई। देवेंद्र फडणवीस ने कहा की इसके कारण विनायक मेटे की मौके पर ही मौत हो गई होगी ऐसा डॉक्टर ने कहा।

उद्धव ठाकरे की 'दुश्मन' नवनीत राणा ने क्यों कही शरद पवार का आशीर्वाद होने की बात

मुंबई : महाराष्ट्र की सियासत का चर्चित चेहरा और उद्धव ठाकरे के खिलाफ आक्रामक रहने वालीं नवनीत राणा के एक बयान की चर्चा जोरों पर है। दही हांडी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवनीत राणा ने कहा था कि मैं शरद पवार के आशीर्वाद से सांसद बनी थी, वरना ऐसा नहीं हो सकता था।

नवनीत राणा ने 2014 में भी अमरावती लोकसभा सीट से एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। ऐसे में माना जा रहा है कि शरद पवार का आशीर्वाद होने की बात उन्होंने चुनाव लड़ने का मौका मिलने को लेकर कही थी। लेकिन उद्धव ठाकरे के खिलाफ हमले और पवार के प्रति सम्मान के रवैये ने चर्चाएं जरूर तेज कर दी हैं।

यही नहीं एक तरफ शनिवार को नवनीत राणा ने शरद पवार के आशीर्वाद की बात कही तो वहीं रविवार को देवेंद्र फडणवीस की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में देवेंद्र फडणवीस हमारे साथ नहीं थे और मैं हार गई। अगर 2014 के चुनाव में देवेंद्र फडणवीस मेरे साथ होते तो मैं तब चुन ली जाती। नवनीत राणा ने कहा कि हालांकि देवेंद्र फडणवीस 2019 में हमारे साथ नहीं थे, लेकिन हम लोकसभा चुनाव इसलिए जीते क्योंकि उनका आशीर्वाद हमारे साथ था। इस मौके पर उन्होंने सार्वजनिक रूप से देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की।

2014 में एनसीपी के टिकट पर हार गई थीं नवनीत राणा

नवनीत राणा के परस्पर विरोधी दावों की अब चर्चा हो रही है। पिछले अप्रैल में आयोजित श्री शिवाजी शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम में बोलते हुए नवनीत राणा ने अपनी राजनीतिक प्रगति का श्रेय शरद पवार को दिया था। पवार जो कहते हैं, वह महाराष्ट्र में होता है।

नवनीत राणा ने 2014 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गई थीं। तब उन्होंने कहा था कि उनका मुकाबला सीधे पीएम नरेंद्र मोदी से हो गया था, इसलिए हार मिली। नवनीत राणा ने कहा कि विपक्षी उम्मीदवार के लिए सीधे पीएम नरेंद्र मोदी ने ही प्रचार किया था। इसके बाद 2019 में वह भी फिर से निर्दलीय चुनाव में उतरी थीं और शिवसेना कैंडिडेट आनंदराव अडसुल को हराकर जीत दर्ज की।

नवनीत के बयान से देवेंद्र फडणवीस की भूमिका पर उठे सवाल

अब नवनीत राणा का कहना है कि देवेंद्र फडणवीस के आशीर्वाद से उन्हें जीत मिली है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा और शिवसेना के साझा उम्मीदवार के खिलाफ जाकर नवनीत राणा का सपोर्ट किया था। बता दें किनवनीत राणा ने केंद्र में भाजपा सरकार का समर्थन किया है, जबकि महाराष्ट्र में विधायक रवि राणा लगातार देवेंद्र फडणवीस के साथ रहे हैं। रवि राणा सांसद नवनीत राणा के पति हैं और उनकी तरह ही निर्दलीय विधायक हैं।

कौन है पिछली सरकार में वरुण सरदेसाई नाम का वो शख्स?

नितेश राणे ने बिना नाम लिए ठाकरे की आलोचना की

मुंबई: 'पिछली सरकार में वरुण सरदेसाई नाम का वह व्यक्ति कौन है? उन्हें इतनी सुरक्षा क्यों दी गई? वरुण सरदेसाई ने शहरी विकास विभाग की बैठक क्यों ली? आपने उन्हें निर्णय नहीं लेने दिया और अब वे उन पर आरोप लगा रहे हैं, क्यों क्या आप अपना फैसला बदलते हैं', भाजपा ने कहा विधायक नितेश राणे ने विधानसभा में विपक्ष पर निशाना साधा। राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा के मानसून सत्र में महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत और औद्योगिक शहर (संशोधन) विधेयक पेश किया। विपक्ष ने बिल का विरोध किया। विपक्ष के अजीत पवार और छगन भुजबल ने इसका विरोध किया। बीजेपी विधायक नितेश राणे ने इसका जवाब देते हुए विपक्ष पर हमला बोला. साथ ही महाविकास अघाड़ी ने भी सरकार पर निशाना साधा। ''जब मुख्यमंत्री बिल पेश कर रहे हैं, क्या उन पर कोई दबाव है?, उनके फैसले कैसे बदलते हैं?, बिल की शुरूआत में इन सभी मुद्दों का उल्लेख किया गया था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बात करने कम और काम ज्यादा करने के लिए जाने जाते हैं। क्या पिछली सरकार में शहरी विकास विभाग के लिए काम करते हुए उन्हें पूरी आजादी मिल रही थी या नहीं, इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्हें अपने फैसले खुद क्यों बदलने पड़े। उन्हें यह निर्णय लेने के लिए कौन प्रेरित कर रहा था? कैसे सरकार में बाहरी लोग उन्हें निर्णय लेने के लिए मजबूर कर रहे थे। इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। पिछली सरकार में जो मंत्री थे उन्हें इस्तीफा क्यों देना पड़ा, मुख्यमंत्री ने सरकार छोड़ने का फैसला क्यों किया। इसके पीछे भी कुछ कारण हैं'', भाजपा विधायक नितेश राणे ने कहा।

...फिर जनता से ही मुख्यमंत्री बनाओ, विधानसभा में अजितदाद का प्रहार

मुंबई: आप कहते हैं कि लोगों से सीधे मेयर बनाना, फिर जनता से ही मुख्यमंत्री बनाओ ना? जनता से मुख्यमंत्री बनता तो काम हो जाता। अजितदाद ने यह भी सवाल उठाया कि चूंकि यह आपके हाथ में है तो क्या आप इसे अलग तरीके से करेंगे? उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने विधानसभा में धावा बोल दिया है. मेयर के चुनाव से अजीत दादा ने एकनाथ शिंदे पर सीधा निशाना साधा है. उन्होंने कहा, शुरूआत में हमने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को बनाया। कौन जाने आपके दिमाग में क्या आया, आपने 20 लोगों को निकाल लिया। इसमें और 20 लोग पाए गए। 40 लोगों को पाने के बाद

आप उन्हें काटकर बहुमत बना लेते हैं। ऐसा क्यों हो सका क्योंकि विधायक मुख्यमंत्री बन रहे थे। इसके बाद ऐसा नहीं होगा, क्योंकि मेयर को वहीं रहना होगा। यानी कहीं न कहीं अन्याय होगा। अजीत पवार ने यह भी धमकी दी है कि अगर कोई और एकनाथ शिंदे बनना चाहता है, तो वह इसे हासिल नहीं कर पाएगा। आप जानते हैं कि नगर निगम के चुनाव कैसे होते हैं। घर में कितने वोट हैं तो फ्रिज कौन दे रहा है। टीवी कौन दे रहा है, सारी रात जाग कर गुजारते हैं, हम चल रहे हैं तो चिल्लाते हैं और कहते हैं कि हम जाग रहे हैं, भला हम क्यों जागे हुए हैं. यानी पिछले दो दिनों से नींद भी नहीं आ रही है। यह तो सभी जानते हैं। एकनाथ शिंदे से मेरा विनम्र अनुरोध। मेयर पार्षदों में से होना चाहिए। राज्य में नगर परिषदें और नगर पालिकाएं सक्षम नहीं हैं, इस पर ध्यान देने की जरूरत है। अजित पवार ने यह भी कहा कि कोई ध्यान नहीं है और हम लोगों से सीधे मेयर का चुनाव करा रहे हैं.

कमाठीपुरा में गणपति जुलूस पर युवक ने फेंका अंडा, भड़क उठे लोग, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के नागपाड़ा के कमाठीपुरा इलाके में रविवार देर रात आयोजित गणपति जुलूस पर एक युवक ने अंडा फेंक दिया, जिससे लोग भड़क गए। गनीमत रही की मौके पर मौजूद मुंबई पुलिस के जवानों ने आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर मामले को बढ़ने से पहले ही नियंत्रण में कर लिया। पुलिस ने एक 25 वर्षीय युवक को अंडा फेंकने के आरोप में गिरफ्तार किया है। हालांकि इस घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल हो गया था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इलाके में कोई सांप्रदायिक मुद्दा नहीं था और मामला तुरंत सुलझा लिया गया है। आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

की गई और मामले की जांच चल रही है। डीसीपी योगेश कुमार ने बताया कि नागपाड़ा पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर मौके से गिरफ्तार किया गया है। आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण है। अधिकारी ने बताया कि नागपाड़ा पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) और 295-ए (धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को अपवित्र करना या नुकसान पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया रात करीब 10 बजे कमाठीपुरा इलाके से एक गणपति जुलूस निकल रहा था, तभी आरोपी ने जुलूस में अंडा फेंका।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रुम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016. मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!